गड्डी चली ऐ श्याम दरबार | By Ashu Sanger

ओ गड्डी चली ऐ चली ऐ
गड्डी चली ऐ चली ऐ
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ श्याम दरबार
आजोजी चलिए श्याम दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार

फागुन मेले में जायेंगे
बाबा के दर्शन पाएंगे
जब नज़र मिलेगी बाबा से
हम दिल का हाल सुनाएंगे
जब दिल का हाल सुनेगा बाबा
हो जाए बेडा पार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ श्याम दरबार
आजाओ चलिए श्याम दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार

लाल गुलाल ले जाकर हम बाबा को रंग लगाएंगे
रंग लगाकर श्याम धणी के संग होली मनाएंगे
ऐसा रंग रंगेगा बाबा कभी ना छूटे यार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ श्याम दरबार
आजाओ चलिए श्याम दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार

फागुन की चर्चा सुनकर हम भी खाटू आ गए
तेरे सुंदर दर्शन बाबा सबके मन को भा गए
आता रहूं मैं खाटूवाले सुनले लखदातार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ श्याम दरबार
आजाओ चलिए श्याम दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार

लड्डू पेड़ा खीर चूरमा बाबा खातिर लाऊँ
एक एक करके मैं तो जी बाबा भोग लगाऊं
भोग लगा के खाटू वाले शिव का कर उद्धार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ श्याम दरबार
आजाओ चलिए श्याम दरबार
गड्डी चली ऐ चली ऐ खाटू दरबार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%a1%e0%a5%8d%e0%a4%a1%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%90-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-ashu-sanger/